1

This question paper contains 4 printed pages.

Your Roll No. 90/12/17

Sl. No. of Ques. Paper: **2435**

HC

Unique Paper Code	**: 62131101**
Name of Paper	**: Sanskrit Poetry (DSC-1)**
Name of Course	**: B.A. (Prog.) Sanskrit**
Semester	**: I**
Duration	**: 3 hours**
Maximum Marks	**: 75**

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये ।)

NOTE:— *Unless otherwised required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Answer all questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. निम्नलिखित प्रत्येक भाग में से *दो-दो* श्लोकों का अनुवाद कीजिये। 6X5=30

Translate *two* shlokas from each part.

(क) (i) क्व सूर्यप्रभवो वंशः क्व चाल्पविषया मतिः।
तितीर्षुर्दुस्तरं मोहादुडुपेनास्मि सागरम्।।

(ii) तं सन्तः श्रोतुमर्हन्ति सदसद्व्यक्तिहेतवः।
हेम्नः संलक्ष्यते ह्यग्नौ विशुद्धिः श्यामिकापि वा।।

(iii) आकारसदृशप्रज्ञः प्रज्ञया सदृशागमः।
आगमैः सदृशारम्भ आरम्भसदृशोदयः।।

(iv) प्रजानां विनयाधानाद्रक्षणाद्भरणादपि।
स पिता पितरस्तासां केवलं जन्महेतवः।।

(ख) (i) मन्त्रो योध इवाधीरः सर्वाङ्गैः संवृतैरपि।
चिरं न सहते स्थातुं परेभ्यो भेदशङ्कया।।

(ii) आत्मोदयः परज्यानिर्द्वयं नीतिरितीयती।
तदूरीकृत्य कृतिभिर्वाचस्पत्यं प्रतायते।।

(iii) सखा गरीयान् शत्रुश्च कृत्रिमस्तौ हि कार्यतः।
स्याताममित्रौ मित्रे च सहजप्राकृतावपि।।

(iv) स्वयं प्रणमतेऽल्पेऽपि परवायावुपेयुषी।
निदर्शनमसाराणां लघुर्बहुतृणं नरः।।

(ग) (i) शिरः शार्वं स्वर्गात् पशुपतिशिरस्तःक्षितिधरं,
महीध्रादुत्तुंगादवनिमवनेश्चापि जलधिम्।
अधोऽधो गङ्गेयं पदमुपगता स्तोकमथवा,
विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखः॥

(ii) येषां न विद्या न तपो न दानं,
ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।
ते मर्त्यलोके भुवि भारभूताः,
मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति॥

(iii) यदा किञ्चिज्ज्ञोऽहं द्विप इव मदान्धः समभवं,
तदा सर्वज्ञोऽस्मीत्यभवदवलिप्तं मम मनः।
यदा किञ्चित्किञ्चिद् बुधजनसकाशादवगतं,
तदा मूर्खोऽस्मीति ज्वर इव मदो मे व्यपगतः॥

(iv) बोद्धारो मत्सरग्रस्ताः प्रभवः स्मयदूषिताः।
अबोधोपहताश्चान्ये जीर्णमङ्गे सुभाषितम्।।

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिये - 7

Explain with reference to the context.

सर्वस्यौषधमस्ति शास्त्रविहितं मूर्खस्य नास्त्यौषधम्।

अथवा

सर्वकार्यशरीरेषु मुक्त्वाङ्गस्कन्धपञ्चकम्।
सौगतानामिवात्मान्यो नाऽस्ति मन्त्रो महीभृताम्।।

अथवा

वागर्थाविव संपृक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये।
जगतः पितरौ वन्दे पार्वतीपरमेश्वरौ।।

3. निम्नलिखित में से किन्ही *दो* पर निबन्ध लिखिये। 2X10=20

Write essay on any *two* of the following.

(i) मूर्खों के प्रकार
(ii) शिशुपालवध के द्वितीय सर्ग के पठितांश का सार
(iii) दिलीप का प्रजापालक स्वरूप
(iv) भर्तृहरि की शैली

4. प्रमुख महाकाव्यों पर प्रकाश डालिये। 10

Throw light on main Mahākāvyās.

अथवा

गीतिकाव्य के उद्भव और विकास की समीक्षा कीजिये।

Examine the origin and development of the 'Gītikāvya'

5. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* पर टिप्पणी लिखिये। 2X4=8

Write short notes on any *two* of the following.

बुद्धचरितम्, नीतिशतकम्, जयदेव, श्रीहर्ष

(2)

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2622 **HC**

Unique Paper Code : 12131102

Name of the Paper : Critical Survey of Sanskrit Literature (C-2)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit, CBCS**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. **All** questions are compulsory.
3. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

भाग – 'क' (Section A)

1. ऋग्वेद के काल का वर्णन कीजिए। (14)

Describe the date of *Rigveda.*

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

Write short notes on **any two** of the following :

(i) सामवेद *(Sāmaveda)*

(ii) वैदिककालीन समाज (Society of the Vedic Period)

(iii) ब्राह्मण ग्रन्थ (Bhrāhamṇa texts)

(iv) उपनिषद् *(Upanishad)*

भाग – 'ख' (Section B)

2. आदिकाव्य के रूप में रामायण का विवेचन कीजिए। (14)

Discuss *Rāmayaṇa* as an *Ādikāvya.*

अथवा / OR

उपजीव्य काव्य के रूप में रामायण का विवेचन कीजिए।

Discuss *Rāmayaṇa as* a resource of literature.

भाग – 'ग' (Section C)

3. महाभारत के विकास की विभिन्न अवस्थाओं का निरूपण कीजिए। (14)

Discuss the different stages of the development of *Mahābhārata.*

अथवा / OR

"यदिहास्ति तदन्यत्र यन्नेहास्ति न तत् क्वचित्" इस उक्ति को स्पष्ट करते हुए महाभारत की विषय-वस्तु का विवेचन कीजिए।

Explaining this statement : "यदिहास्ति तदन्यत्र यन्नेहास्ति न तत् क्वचित्" discuss the subject matter *of Mahābhārata.*

भाग – 'घ' (Section D)

4. पुराणों के सामाजिक तथा सांस्कृतिक महत्त्व का वर्णन कीजिए। (12)

Describe the social and cultural importance of *Purāṇas.*

अथवा / OR

पुराणों के प्रमुख लक्षणों तथा ऐतिहासिक महत्त्व का विवेचन कीजिए।

Discuss the main features and the historical importance of *Purāṇas.*

भाग – 'ङ' (Section E)

5. निम्नलिखित पर लघु टिप्पणियाँ लिखिए जिनमें से **एक** टिप्पणी **संस्कृत** में हो : (7×3=21)

Write short notes on the followings which **One** should be in **Sanskrit:**

(i) पाणिनि *(Pāṇini)* **अथवा / OR** वाक्यपदीय *(Vākyapadīya)*

(ii) चार्वाक-दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त (Main principles of *Cārvāka* philosophy)

अथवा / OR

सांख्य-दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त (Main principles of *Sāmkhya* philosophy)

(iii) ध्वनि-सम्प्रदाय (*Dhvani* School) **अथवा / OR** रस-सम्प्रदाय (*Rasa* School)